



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
The Savera Times	18.03.2024	--	--

CSSHAU rolls out Two Day Agricultural fair marking 'Importance of drones in farming'

One female & male progressive farmer from each district will be honoured in agricultural fair: Prof. B.R. Kamboj

@TheSaveraTimes
Network

Hissar: Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University has completed preparations for the two-day agricultural fair (Kharif) starting from March 18. Vice Chancellor Prof. B.R. Kamboj reviewed the progress of the work of the committees formed for the arrangements of the agricultural fair and gave guidelines to make the event successful. He told that every year thousands of farmers from Haryana including Punjab, Rajasthan, Delhi and Uttar Pradesh



gather in this fair. He has also called upon the farmers to come to the agricultural fair and take maximum advantage of the improved varieties and technologies of

various crops developed by the university. This time the main theme of the agricultural fair will be 'Importance of drones in farming'. The fair will be

organized at the fair ground on Balsamand Road in front of gate number three of the university. On the occasion of the inauguration of the fair, Vice Chancellor of the

University, Prof. B.R. Kamboj will be the chief guest, while Vice Chancellor of Maharana Pratap Udyan University, Karnal, Dr. Suresh Kumar Malhotra and Vice Chancellor of Guru Jambheshwar University of Science and Technology, Hisar, Prof. Narsi Ram Bishnoi will be present as a special guest. Director of Extension Education, Dr. Balwan Singh Mandal said that two progressive farmers from each district of the state will also be honoured in the agricultural fair. Among the farmers who were honoured were Rajesh resident of

village Payal, Rajni resident of village LauharRagho, Mandeep resident of village Chidaud, Nafesingh resident of village Ahun, Sunita resident of village Jakholi, Kumari Anju resident of village Sarauli, Deepesh Chauhan resident of village Aurangabad, Surendra Kumar resident of village Dhanana, Kavita resident of Gopalwas, Naresh Sharma resident of village Sahayak located in Faridabad, Naresh Sharma resident of Post Office Badarpur Said, Geeta Devi resident of village Nariyala, Ashwini Kumar resident of village Amin, Sharanjeet Kaur resident of village Jyotsar, Nirmala resident of village Badhana, Wazir resident of Mohangarh Chakra located in Jind, Kuldeep resident of village Sadarpur, Nirmala Devi, resident of Gharaunda, Bhagwan, resident of Sisana, Ruby, resident of Bhairabankipur, Bhup Singh, resident of village Chaubara, Vidy Devi, resident of village Hasanga, Savran, resident of village Akoda, Usha Devi, resident of village Bhojwas, Khushpreet Singh, resident of village Dhurala, Renu Bala, resident of Ambala City, village Kohli.



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्मुखार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	१४.३.२५	७	१-५

हकूमि में 'खेती में ड्रोन का महत्व' पर कृषि मेला आज से

हर जिले की एक महिला, एक प्रगतिशील किसान होंगे सम्मानित



हिसार में रविवार को आयोजित बैठक में कृषि मेले की व्यवस्थाओं के लिए गठित कमेटियों के कार्यों की समीक्षा करते कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज। -हप्र
हिसार, 17 मार्च (हप्र)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा 18 मार्च से शुरू हो रहे दो दिवसीय कृषि मेला (खरीफ) को लेकर तैयारियां पूरी तरह गई हैं। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कृषि मेले की व्यवस्थाओं को लेकर गठित कमेटियों के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की और इस आयोजन को सफल बनाए जाने के लिए दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बताया इस मेले में

हर साल हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, दिल्ली और उत्तर प्रदेश से हजारों की संख्या में किसान जुटते हैं। इस बार कृषि मेले का मुख्य विषय 'खेती में ड्रोन का महत्व' होगा। मेले का आयोजन विश्वविद्यालय के गेट नंबर तीन के समाने बालसमंद रोड पर मेला ग्राउंड में किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्यातिथि होंगे, जबकि महाराणा प्रताप उद्यान विश्वविद्यालय, करनाल के कुलपति डॉ. सुरेश कुमार मल्होत्रा,

कार्यक्रम में इन्हें मिलेगा सम्मान

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि कृषि मेले में प्रदेश के प्रति जिले से दो प्रगतिशील किसानों को भी सम्मानित किया जाएगा। सम्मानित होने वाले किसानों में गांव पायल निवासी राजेश, गांव लौहारी राधो निवासी रुजनी, गांव चिंडौद निवासी मदीप, गांव अहू निवासी नकेसिंह, गांव जाखोली निवासी सुनीता, गांव सरोंली निवासी कुमारी अंजू, गांव औरंगाबाद निवासी दीपेश चौहान, गांव धनाना निवासी सुरेंद्र कुमार, गांव गोपालवास निवासी कविता, फरीदाबाद स्थित गांव सहयोगक निवासी नरेश शर्मा, गांव नरियाला निवासी गीता देवी, गांव अमीन निवासी अश्विनी कुमार, गांव ज्योतिसर निवासी शरणजीत कौर, गांव बधाना निवासी निर्मला, जीद स्थित मोहनगढ़ छापड़ा निवासी कौरी, गांव सदरपुर निवासी कुलदीप, घरोंडा निवासी निर्मला देवी, सिसाना निवासी भगवान, भैरा बांकीपुर निवासी रुबी, गांव चौबारा निवासी भूपसिंह, गांव द्वंसगा निवासी विद्या देवी, गांव आकोदा निवासी सवरन, गांव भोजावास निवासी उषा देवी, गांव धुशला निवासी खुशप्रीत सिंह, अम्बाला सिटी निवासी रेनू बाला, गांव कोहली निवासी ओमप्रकाश, हांसी स्थित ढाणा कलान निवासी किरण यादव, गांव लाखनमाजरा निवासी मानता शर्मा, महम निवासी अनुज, गांव मिलकडा निवासी सोमनाथ, गांव कुंजल निवासी रेखा रानी, गांव सुल्तानपुरिया निवासी सुखविंद सिंह, गांव डिंग निवासी वसुधरा बंसल, गांव बडियाल निवासी वीरेंद्र सिंह, गांव बेरायाटी निवासी कमलेश, गांव गिन्डोखर निवासी सुरेश चंद, रेवड़ी स्थित गांव बनीपुर निवासी सुमन, पातीपत स्थित गांव दिवाना निवासी जोगेंद्र सिंह व पानीपत स्थित गांव उझा निवासी अनुराधा शामिल हैं।

गुरु जम्बेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी नरसी राम बिश्नोई विशिष्ट अतिथि के विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रो. रूप में मौजूद रहेंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचूर पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अभीत समाज	१४. ३. २५	५	१-६

हृषि के कृषि मेले में प्रत्येक गिले से एक महिला एवं एक पुरुष प्रगतिशील किसानों को किया जाएगा सम्मानित : प्रो. काम्बोज

हिसार, 17 मार्च (विरेन्द्र बर्मा) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा 18 मार्च से शुरू हो रहे दो दिवसीय कृषि मेले (खरीफ) को लेकर तैयारियां पूरी ली गई हैं। कुलपति प्रो. वी.आर. काम्बोज ने कृषि मेले की व्यवस्थाओं को लेकर गठित कमेटीयों के कार्यों की प्राप्ति की समीक्षा की और इस आयोजन को सफल बनाए जाने के लिए दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बताया इस मेले में प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के हर साल हरियाणा सहित पूँजीआ, राजस्थान, दिल्ली और ऊर प्रदेश से हजारों की संख्या में किसान जुटे हैं। उन्होंने किसानों से भी आह्वान किया है कि वे कृषि मेले में अकार विश्वविद्यालय द्वारा विकसित विभिन्न कृषि मेला में प्रदेश के प्रति जिले से दो प्रगतिशील किसानों को भी फसलों की उत्तर किस्मों, तकनीकों हेतु बाले किसानों में गांव पायल

इस बार कृषि मेला का मुख्य विषय 'खेतों में ड्रेन का महत्व' होगा। मेले का आयोजन विश्वविद्यालय के गेट नंबर तीन के सामने बालसमंद रोड पर मेला ग्राउंड में किया जाएगा। मेले के शुभारंभ अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वी.आर. काम्बोज ने कृषि मेले की व्यवस्थाओं को लेकर गठित कमेटीयों के कार्यों की प्राप्ति की समीक्षा की और इस आयोजन को सफल बनाए जाने के लिए दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बताया इस मेले में



कुलपति प्रो. वी.आर. काम्बोज बैठक में कृषि मेला की व्यवस्थाओं के लिए गठित कमेटीयों के कार्यों की समीक्षा करते हुए।

निवासी राजेश, गांव लौहरी राधो फरीदाबाद रिहायक, निवासी रजनी, गांव चिंडौर निवासी डाकखाना बदरपुरसेद निवासी नरेश मर्दीप, गांव अहू निवासी नरेशिंह, शर्मा, गांव नरियाला निवासी गोता गोता देवी, गांव अमीन निवासी अश्वनी गांव जायोली निवासी सुनीता, गांव कुमार, गांव ज्योतिसर निवासी सुलानुरिया निवासी सुजाविंद रिंह, गांव डिंग निवासी वसुंधरा बंसल, गांव बडियाल निवासी वीरेंद्र सिंह, गांव बेरधाटी निवासी कमलेश, गांव गिन्दोबर निवासी सुरेश चंद, रेवाड़ी मिल सकेगी।

कुलदीप, घरोंडा निवासी निर्मला देवी, सिसानी भगवान, भैरा बांकीपुर निवासी लूबी, गांव चौबारा निवासी भूपसिंह, गांव संगंगा निवासी विद्या देवी, गांव आकोदा निवासी सवन, गांव भोजावास निवासी उषा देवी, गांव थुगला निवासी सुशीला रिहायक, अंबाला सिटी निवासी रेन बाला, गांव कोहली निवासी औप्रकाश, हांसी रिहायक कलां निवासी किरण यादव, गांव लाखनामजरा निवासी मानता शर्मा, महम निवासी अनुज, गांव मिलकडा निवासी सोमनाथ, गांव कुंजल निवासी रेखा रासी, गांव सुलानुरिया निवासी सुजाविंद रिंह, गांव डिंग निवासी वसुंधरा बंसल, गांव बडियाल निवासी वीरेंद्र सिंह, गांव बेरधाटी निवासी कमलेश, गांव गिन्दोबर निवासी सुरेश चंद, रेवाड़ी मिल सकेगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	१४. ३. २५	५	३-५

- एचएयू में दो दिवसीय कृषि मेला आज से, मेले का मुख्य विषय होगा 'खेती में ड्रोन का महत्व'

एचएयू कृषि मेले में हर जिले से एक महिला व एक पुरुष प्रगतिशील किसान होगा सम्मानित

भारत न्यूज़ | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने 18 मार्च से शुरू हो रहे दो दिवसीय कृषि मेला (खरीफ) को लेकर तैयारियां कर ली हैं। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कृषि मेले की व्यवस्थाओं को लेकर गठित कमेटियों के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। इसके सफल बनाए जाने के लिए दिशा-निर्देश दिए। इस मेले में हर साल हरियाणा सहित पंजाब, राजस्थान, दिल्ली और उत्तर प्रदेश से हजारों की संख्या में किसान जुटते हैं। उन्होंने किसानों से आहान किया कि वे कृषि मेले में आकर विश्वविद्यालय द्वारा विकसित विभिन्न फसलों की उत्पत्ति किस्मों, तकनीकों का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

खेती में ड्रोन का महत्व होगा मेले का थीम: इस बार कृषि मेले का मुख्य विषय 'खेती में ड्रोन का महत्व' होगा। मेले का आयोजन विवि के गेट नंबर तीन के सामने बालसमंद रोड पर मेला ग्राउंड में किया जाएगा। इसके शुभरंभ अवसर पर एचएयू कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्यातिथि होंगे। महाराणा प्रताप उद्यान विश्वविद्यालय, करनाल के कुलपति डॉ. सुरेश कुमार मल्होत्रा और गुरु जग्मेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे।



कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज बैठक में कृषि मेले की व्यवस्थाओं के लिए गठित कमेटियों के कार्यों की समीक्षा करते हुए।

विभिन्न जिलों के ये प्रगतिशील किसान किए जाएंगे सम्मानित

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलबान सिंह मंडल ने बताया कि कृषि मेला में प्रदेश के प्रति जिले से दो प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया जाएगा। इनमें गांव पायल निवासी रजनी, गांव चिडौद निवासी मंदीप, गांव अहू निवासी नफेसिंह, गांव जाखोली वासी सुनीता, गांव सरौली निवासी कुमारी अंजू, गांव औरंगाबाद निवासी दीपेश चौहान, गांव धनाना निवासी सुरेंद्र कुमार, गांव गोपालवास निवासी कविता, फरीदाबाद स्थित गांव सहयक, डाकखाना बद्रपुरख निवासी नरेश शर्मा, गांव नरियाला निवासी गीता देवी, गांव अमीन निवासी अश्विनी कुमार, गांव ज्योतिसर निवासी शरणजीत कौर, गांव बधाना निवासी निर्मला, जींद स्थित मोहनगढ़ छापड़ा निवासी वजीर, गांव सदरपुर निवासी कुलदीप, घरौंडा निवासी निर्मला देवी, सिसाना निवासी भगवान, भैरा

बांकीपुर निवासी रुबी, गांव चौबारा निवासी भूपसिंह, गांव हसंगा निवासी विद्या देवी, गांव आकोदा निवासी स्वरन, गांव धोजावास निवासी उषा देवी, गांव धुराला निवासी खुशप्रीत सिंह, अम्बाला सिटी निवासी रेनू बाला, गांव कोहली निवासी ओमप्रकाश, हांसी स्थित ढाणा कलां निवासी किरण यादव, गांव लाखनमाजरा निवासी मानता शर्मा, महम निवासी अनुज, गांव मिल्कडा निवासी सोमनाथ, गांव कुंजल निवासी रेखा रानी, गांव सुल्तानपुरिया निवासी सुखविंद सिंह, गांव डिंग निवासी वसुंधरा बंसल, गांव बडियाल निवासी वर्दिंद सिंह, गांव बेरघटी निवासी कमलेश, गांव गिन्दाखर निवासी सुरेश चंद, रेवाड़ी स्थित गांव बनीपुर निवासी सुमन, पानीपत स्थित गांव दिवाना निवासी जोर्डे सिंह व पानीपत स्थित गांव उज्जा निवासी अनुराधा शामिल हैं।

किसानों की समस्याओं का समाधान करेंगे वैज्ञानिक सह-निदेशक (विस्तार) डॉ. कृष्ण कुमार ने बताया कि मेले के दौरान आने वाले किसानों की खेतीबाड़ी संबंधी सभी समस्याओं के समाधान के लिए किसान गोपियों की जाएंगी, जिनमें एचएयू के वैज्ञानिक किसानों की कृषि व पशुपालन संबंधी समस्याओं का हल बताएंगे। इसके साथ वे फसलों, बीजों, किस्मों व अन्य सभी उपयोगी जानकारियां मुहैया करवाएंगे। इसके अलावा मेले में कृषि संबंधी व कृषि औद्योगिकी प्रदर्शनी भी लगाई जाएंगी जिससे किसानों को आधुनिक कृषि यंत्रों व तकनीकों की जानकारी मिल सकेगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समस्तार पत्र का नाम दृष्टि भूमि	दिनांक १४.३.२५	पृष्ठ संख्या १२	कॉलम २-५
------------------------------------	-------------------	--------------------	-------------

हक्कवि का दो दिवसीय कृषि मेला (खरीफ) आज से

एचएयू कृषि मेले में प्रगतिशील किसान को करेंगे सम्मानित : प्रो. कम्बोज

मेले में हर साल हरियाणा सहित पंजाब, राजस्थान, दिल्ली और उत्तर प्रदेश से हजारों की संख्या में किसान जुटते हैं।

हरियाणा न्यूज || हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से 18 मार्च से शुरू हो रहे दो दिवसीय कृषि मेला (खरीफ) को लेकर तैयारियां पूरी तरीके गई हैं। कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने कृषि मेले की व्यवस्थाओं वारे गर्फ़त कमेटियों के कार्यों की समीक्षा करते कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज।

हिसार | बैठक में कृषि मेला की व्यवस्थाओं के लिए गठित कमेटियों के कार्यों की समीक्षा करते कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज।

छती में झोन का महत्व होगा जेलों का थीन

इस बार कृषि मेला का मुख्य विषय है क्षेत्री में झोन का महत्वहां होगा। मेले का आयोजन विश्वविद्यालय के गेट नंबर तीन के सामने बालसमन्द रोड पर जेला वार्ड में किया जाएगा। मेले के शुभारंभ अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज नुम्ह्य अधिक्षित होंगे, जबकि महाराणा प्रताप उद्यान विश्वविद्यालय, करनाल के कुलपति डॉ. सुरेश कुमार मल्होत्रा और गुरु जग्नेश्वर विहान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रो. नरसी राज विश्वानाथ विशेष अधिक्षित के स्थान में गौजूद रहेंगे।



हिसार | बैठक में कृषि मेला की व्यवस्थाओं के लिए गठित कमेटियों के कार्यों की समीक्षा करते कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज।

किसानों की समस्याओं का समाधान करेंगे वैज्ञानिक

सह-निवेशक (विस्तार) डॉ. कृष्ण कुमार ने बताया कि मेले के दौरान आने वाले किसानों की खेतीबाड़ी संबंधी सभी समस्याओं के समाधान के लिए किसान गोष्ठियों का आयोजन होगा जिनमें विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक किसानों की कृषि व पशुपालन संबंधी समस्याओं का हल ढालेंगे। इसके साथ वे फसलों, बीजों, किस्मों व अन्य सभी उपयोगी जानकारियां मुहैया करवाएंगे। इसके अलावा मेले में कृषि संबंधी व कृषि औद्योगिकी प्रदर्शनी भी लगाई जाएंगी जिससे किसानों को आधुनिक कृषि यंत्रों व तकनीकों की जानकारी मिल सकेंगी।

प्रत्येक जिले से दो प्रगतिशील किसानों को किया जाएगा सम्मानित

विस्तार शिक्षा निवेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि कृषि मेला में प्रदेश के प्रति जिले से दो प्रगतिशील किसानों को भी सम्मानित किया जाएगा। सम्मानित होने वाले किसानों में गांव पायल विवासी राजेश, गांव लौहरी राघव विवासी रजनी, गांव विडोद विवासी मंदीप, गांव अहू विवासी फेसिंह, गांव जाखोली विवासी सुनीता, गांव सरौली विवासी कुमारी अंजु, गांव और गांबाद विवासी दीपेश वौहान, गांव धनाला विवासी सुरेश कुमार, गांव गोपालवास विवासी कविता, फरीदबाद स्थित गांव सहयवक, डाकखाल बद्रपुर-रैद विवासी नरेश शर्मा, गांव नरियाला विवासी गीता देवी, गांव अमीन विवासी अश्विनी कुमार, गांव ऊर्योत्सर विवासी शरणजीत कौर, गांव बधाना विवासी निर्मला, जीद रिथ भोजनगढ़ छापड विवासी वंजीर, गांव सदरपुर विवासी कुलदीप, घरौंडा विवासी निर्मला देवी,

विवासी निवासी भगवान, भैरा बांकीपुर विवासी रुबी, गांव वौबारा विवासी भूपसिंह, गांव हरसंग विवासी देवी, गांव आकोदा विवासी सदरन, गांव भोजावास विवासी उषा देवी, गांव धुराला विवासी खुशप्रीत सिंह, अबाला सिटी विवासी रेजु बाला, गांव कोहली विवासी ओमप्रकाश, हांसी स्थित दाणा कला विवासी किरण यादव, गांव लाखनमजरा विवासी मानता शर्मा, महम विवासी अनुज, गांव मिल्कडा विवासी सोमनाथ, गांव कुंजला विवासी रेखा राठी, गांव सुल्तानपुरिया विवासी सुविंद सिंह, गांव डिग विवासी वसुधरा बंसल, गांव बडियाल विवासी तीरेद सिंह, गांव बेरसाटी विवासी कमलेश, गांव गिन्दोखर विवासी सुरेश चंद, रेवाड़ी स्थित गांव बनीपुर विवासी सुमन, पानीपत स्थित गांव दिवाना विवासी जोगेंद सिंह व पानीपत स्थित गांव उझा विवासी अनुराधा शामिल हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
‘कृषि’ ३१.३.२५	१८.३.२५	२	१-३

खेती में ड्रोन का महत्व थीम पर एचएयू में कृषि मेला आज से

हर जिले से एक महिला एवं एक पुरुष किसान को किया जाएगा सम्मानित

मार्ड सिटी रिपोर्टर

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) की तरफ से 18 मार्च से शुरू हो रहे दो दिवसीय कृषि मेला (खरीफ) को लेकर तैयारियां पूरी ली गई हैं। इस बार मेला खेती में ड्रोन का महत्व की थीम पर आयोजित किया जाएगा।

मेले में प्रत्येक जिले से एक महिला व एक पुरुष प्रगतिशील किसान को सम्मानित किया जाएगा। कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कृषि मेले की व्यवस्थाओं को लेकर गठित कमेटियों के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की और इस आयोजन को सफल बनाए के दिशा-निर्देश दिए। मेले में हर साल हरियाणा सहित पंजाब, राजस्थान, दिल्ली और उत्तर प्रदेश से हजारों की संख्या में किसान जुटते हैं। मेले का आयोजन विश्वविद्यालय के गेट नंबर तीन के सामने बालसमंद रोड पर मेला ग्राउंड में किया जाएगा। मेले के शुभारंभ अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर

प्रगतिशील किसानों को किया जाएगा सम्मानित

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि कृषि मेला में प्रदेश के प्रति जिले से दो प्रगतिशील किसानों को भी सम्मानित किया जाएगा। इनमें गांव पायल निवासी राजेश, गांव लोहारी राधो निवासी रजनी, गांव चिड़ौद के मंदीप, गांव अहूं निवासी नफे सिंह, गांव जाखोली निवासी सुनीता, गांव सरौली की कुमारी अंजु, गांव औरंगाबाद निवासी दीपेश चौहान, गांव धनाना निवासी सुरेंद्र कुमार, गांव गापालवास निवासी कविता शामिल हैं। फरीदाबाद के गांव सहयवक, डाकखाना बदरपुरसैद निवासी नरेश शर्मा, गांव नरियाला निवासी गीता देवी, गांव अमीन निवासी अश्विनी कुमार, गांव ज्योतिसर निवासी शरणजीत कौर, गांव बधाना निवासी निर्मला भी पुरस्कृत होंगी। जींग के मोहनगढ़ छापड़ा निवासी वजीर, गांव सदरपुर निवासी कुलदीप, घरीड़ा निवासी निर्मला देवी, सिसाना निवासी भगवान, ऐरा बांकीपुर निवासी रुबी, गांव चौबारा निवासी भूप सिंह, गांव हसंगा निवासी विद्वा देवी, गांव आकोदा निवासी सवरन, गांव भोजावास निवासी उषा देवी, गांव धुराला निवासी खुश्श्रीत सिंह को इनाम मिलेगा। अंबाला सिटी निवासी रेनू बाला, गांव कोहली निवासी औमप्रकाश, हांसी स्थित ढाणा कलां निवासी किरण यादव, गांव लाखनमाजरा निवासी मानता शर्मा, महम निवासी अनुज, गांव मिल्कडा निवासी सोमनाथ, गांव कुंजल निवासी रेखा रानी, गांव मुलतानपुरिया निवासी सुखविंद्र सिंह, गांव डिंग निवासी बसुधरा बंसल, गांव बडियाल निवासी वीरेंद्र सिंह, गांव बेरघाटी निवासी कमलेश, गांव गिंदेखर निवासी सुरेश चंद को इनाम मिलेगा। रेवाड़ी स्थित गांव बनीपुर निवासी सुमन, पानीपत के गांव दिवाना निवासी जोगेंद्र सिंह और पानीपत के गांव उझा निवासी अनुराधा भी सम्मानित होंगी।

कांबोज मुख्य अतिथि होंगे, जबकि कुलपति प्रो. नरसी महराणा प्रताप उद्यान विश्वविद्यालय करनाल के कुलपति डॉ. सुरेश कुमार

मल्होत्रा और जीजेयू के मल्होत्रा और जीजेयू के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्पादक पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दीन के जागरण	१८-३-२५	३	२-५

मेले में प्रगतिशील किसान होंगे सम्मानित

जागरण संवाददाता, हिसार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा 18 मार्च से शुरू हो रहे दो दिवसीय कृषि मेला (खरीफ) को लेकर तैयारियां पूरी ली गई हैं।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कृषि मेले की व्यवस्थाओं को लेकर गठित कमेटियों के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने बताया इस मेले में हर साल हरियाणा सहित पंजाब, राजस्थान, दिल्ली और उत्तर प्रदेश से हजारों की संख्या में किसान जुटते हैं। उन्होंने किसानों से भी आहान किया है कि वे कृषि मेले में आकर विश्वविद्यालय द्वारा विकसित विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों, तकनीकों का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

कृषि मेला का मुख्य विषय खेती में ड्रोन का महत्व होगा। मेले का आयोजन विश्वविद्यालय के गेट नंबर तीन के सामने बालसमंद रोड पर मेला ग्राउंड में किया जाएगा। मेले के शुभारंभ पर विश्वविद्यालय

• हक्किया का दो दिवसीय कृषि मेला (खरीफ) आज से, मेले का मुख्य विषय होगा खेती में ड्रोन का महत्व



हक्किया के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज बैठक में कृषि मेला की व्यवस्थाओं के लिए गठित कमेटियों के कार्यों की समीक्षा करते हुए।

के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कृषि मेले की व्यवस्थाओं के लिए गठित कमेटियों के कार्यों की समीक्षा करते हुए।

विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। सह-निदेशक (विस्तार) डा. कृष्ण कुमार ने बताया कि मेले के दौरान आने वाले किसानों की खेतीबाड़ी संबंधी सभी समस्याओं के समाधान के लिए किसान गोष्ठियों का आयोजन होगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब क्रेसरी	१८.३.२५	३	१-५

हकूमि का कृषि मेला आज से, प्रगतिशील किसान होंगे सम्मानित

» खेती में ड्रोन का महत्व होगा मेले का थीम

हिसार, 17 मार्च (ब्लूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा 18 मार्च से शुरू हो रहे 2 दिवसीय कृषि मेला (खरीफ) को लेकर तैयारियां पूरी ली गई हैं। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कृषि मेले की व्यवस्थाओं को लेकर गठित कमेटियों के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की और इस



बैठक में कृषि मेले की व्यवस्थाओं के लिए गठित कमेटियों के कार्यों की समीक्षा करते कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज आयोजन को सफल बनाए जाने के लिए दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने बताया इस मेले में हर साल

हरियाणा सहित पंजाब, राजस्थान, दिल्ली और उत्तर प्रदेश से हजारों की संख्या में किसान जुटते हैं। इस बार कृषि मेला का मुख्य विषय 'खेती में ड्रोन का महत्व' होगा। मेले का आयोजन विश्वविद्यालय के गेट-3 के सामने बालसमंद रोड पर मेला ग्राउंड में किया जाएगा। सह-निदेशक (विस्तार) डॉ. कृष्ण कुमार ने बताया कि मेले के दौरान आने वाले किसानों की खेतीबाड़ी संबंधी सभी समस्याओं के समाधान के लिए किसान गोष्ठियों का आयोजन होगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज़	17.03.2024	--	--

हकृति के कृषि मेले में प्रत्येक जिले से एक महिला एवं एक पुरुष प्रगतिशील किसानों को किया जाएगा सम्मानित : प्रो. डी.आर. काम्बोज हकृति का दो दिवसीय कृषि मेला (खरीफ) कल से, मेले का मुख्य विषय होगा 'खेती में ड्रेन का महत्व '

17 वर्ष, दिलासा। चौथे वर्ष यह गीतार्थ कुपि
विविक्षणमात्र हात 18 वर्ष में सूक्ष्म हो जो दिव्यांग
सूर्य में प्रवेश (यज्ञोऽपि) को देखा गीतार्थ यही नहीं बोलता।
इसीलिए भी, यह वर्ष, कामदेव ने कृष्ण से जो
व्यवस्थाएँ दी तो यहां गीतार्थी के दर्शन को
प्राप्ति हो गयी थी औ यह अवश्यकता को मात्रता
कर यह जो किंतु शिर-शिरोऽपि इत्यर्थ है। उन्होंने गीतार्थ
एवं सेवे में हात यात्रा विधाय विद्युत, वर्षांश,
दिव्यों और दूर दृष्टि में इन्होंने को प्रयोग विधाय
मुक्ति ही। उन्होंने दिव्यांगी से भी विद्युत दिया है कि ये
सूर्य में से वृक्ष वालों को यहां दियाहै, वृक्षों
के दर्शन का अधिक से अधिक दृष्टि उठाव।

‘सुनी ही तैरू वह पहल दोहरा में जारी हो।
उस कार दूरी पैदा करा सुनी चिप्पे’ उनीही ने तैरू वह
‘पहल’ हींगा। मेंने कर असीम विधिविहारालां के बीच
विशेष तैरू के साथ आदि तात्परी रुदा रा में छाड़ा है।
विधिप्रयत्न। मेंने के तृष्णापूर्व विकास एवं
विधिविहारालां के सुनायें ते वे भावा, जागीरों
जागीरोंविप्रयत्न हीं, जबकि महाराजा अप्रत्यक्ष उदास

विश्वविद्यालय ए. इनसल के कृतीयों ने पुस्तक द्वारा विद्यालय की भौमिका भी गुप्त वर्णन किया है जिसमें विद्यालय के कृतीयों को विश्वविद्यालय ए. इनसल के कृतीयों द्वारा बताया गया है।



二〇〇〇年

नियमों की समावासी या सम्बद्ध की वैज्ञानिक

पां-रिक्षित (प्रिया)। औं दृश्य दूषा रेखावर कि
मेंसी के ईश अटे कले प्रियाने को गोवाईकृ
तिपौरी परी समायानी के माहात्मने के लिए प्रियान
दीर्घीन व बहुवर्ष ईश रिम्मे विश्वितात्मा के
विश्वासिक विश्वासी को जूँध व उत्तुकालम भोगी
मायकाल का इन कालार्थी। इनके बाह्य वे चक्रवर्ती,
वीरों, रिम्मिस व अन्य तीन हजारों वर्षकीयों
पूर्णी कालार्थी। मेंने विश्वासी को विश्वासी दृश्य
व उक्तव्यों को जड़कर रिम्म पांडा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	17.03.2024	--	--

हृषि के कृषि मेले में प्रत्येक जिले से एक महिला एवं एक पुरुष प्रगतिशील किसानों को किया जाएगा सम्मानित : प्रो. कार्म्बोज

卷之三

हिंसा। योकी चाह मिथि संविधान वर्तमान विधायिकालय द्वारा 18 मार्च से शुरू हो रहे हैं जो विधायिक वृत्ति में प्रभाव (साइकिल) को लेकर नियमों परीक्षा वाले नहीं हैं। कुनूरी प्रौ. बी.आर. वाराणसी ने कृषि मिति वर्ष विधायिकालय को लेकर गठित कार्यपालियों के बारीं की प्राप्ति वाले नियमों परीक्षा और इस आवश्यकता को समझ लाए जाने के लिए विधायिक विधायिकालय का विधायिकालय अपनी वाराणसी इस खेतों में राजसन लोकप्रिय योगीन पंजाल, उत्तरायण, विधि और उत्तर प्रदेश से जगतीं की संघटन विधायिकालय कुछु है। उत्तरी विधायिकालयों से भी आवश्यक विधायिक है कि ये कृषि खेतों में आधार विधायिकालय द्वारा विधायिक विधायिकालय की उत्तर विधायिक, नवायोदय विधायिक से अधिक वर्ष तक तकाली

इस बार युधि में वह सदा विषय 'प्रोटो
मैं ड्रॉग वाल पराल' था। मैंने वह अवाक्षय
विवरण के लिए नीति के दफ्तर में

A black and white photograph capturing a formal meeting or conference. A group of men, dressed in traditional Indian attire such as dhotis and shawls, are seated around a large, curved conference table. The setting appears to be a government or institutional office, indicated by the presence of a large Indian flag and several framed portraits or certificates on the walls in the background.

जलामपन्हे दौड़ पर मेंसा दौड़है मैं जिन्हे जाणता
मैंने के सुनाये अन्याय पर विवादितकरण के
कुरुक्षेत्री थे, लेकिन वाचाकीय मुख्यालयी दोनों
वर्षक विवादात् प्राप्त उत्तम विवादितकरण
कारकों के कुरुक्षेत्री थे, पुष्ट कुरुक्षेत्रकरण
और गृह विवादितकरण के दो विवादितकरण
विवादितकरण, विवाद के कुरुक्षेत्री दोनों
विवादों ने दौड़है एवं दौड़है दौड़है।

विमार इत्यनुवेशा द्वारा, अस्त्रावान विकल्प ने बाधा कि कृष्ण में दै परम के प्रति जिसे मैं ही प्राप्तिकारी विषयों को भी सम्पर्कित किया जाएगा। ममप्रतिनिधि लेहे खण्ड विषयों में गौर वाचन निकाली होती, गौर जैतरी उक्त विषयों राजनी, गौर विद्युत विषयों मंडिर, गौर अर्थ (विकासी) वर्णन, गौर वाक्यों विषयों मूर्तिरा, गौर सहस्रनी विषयों राजनी एवं गौर अधिकारित विषयों

कुपर, गंगा गंगेश्वरम निकासी बनिया
पठिलकामा चित गंगा महावर, उत्तरायण
बद्रपुरी निकासी नैक राजी, गंगा वारिपाल
निकासी देखा देखो, गंगा अर्पित निकासी
अर्पिती उत्तर, गंगा ज्ञानीसार निकासी
सत्यजीत कोइ, गंगा वाराणी निकासी निर्मल
एवं चित लोहामारु उत्तर निकासी वर्णी
एवं महारु निकासी तुम्हारु, पर्वती द्विवारायांसी
निकासी देखो, तिरामा निकासी पापाम
वारिपाल देखो, गंगा वारिपाल निकासी राजी
पृथ्वीसंग एवं जलामारु उत्तर, गंगा वारिपाल
निकासी राजी, गंगा वारिपाल निकासी राजी
पृथ्वीसंग एवं जलामारु उत्तर, गंगा वारिपाल
निकासी राजी, गंगा वारिपाल निकासी राजी

निवासी बाह्यपृष्ठ संसर, पर वह अद्वितीय निवासी
कोठे रिंग, पर जेलमती निवासी गामलेश,
गम गिम्बुल्ला गिम्बुली सुरो चंद, डॉडू दिव्यन
मौर अमीरुपु निवासी सुन, पालास दिव्य गूब
दिव्यन निवासी ऊँटे रिंग, व प्राप्तवा दिव्यन
गम उम निवासी अनुचाल लालित है।

विजयनाथ का सम्प्रदायांकों का सम्प्रदाय व
उत्तरी वैज्ञानिक।

सह-विदेशक (विद्वान्) श्री. रुपा कुमार
ने लिखा है कि ये ने की दौड़ी अपने बालों किसानों
वीं पोलिटेक्निक संस्कृत सभी सम्प्रदायांकों के
सम्प्रदाय के संग विभिन्न प्रकारों का अध्ययन
हो रिहाएं विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक विद्यालय
वीं कृषि व पशुपालन संस्कृत सम्प्रदायों पर इन
विद्यालयीनों का साधा हो चलाया, और वे विद्यार्थी
व अपने सभी उपरोक्त जनकालीन पुस्तकों
का कालागाड़ी इसके अलावा मैंने मैं रुपा कुमारी
व अपनी वैज्ञानिक प्रसिद्धि की लाई जारी
विद्यार्थी विद्यालयों वीं अध्यक्ष वर्षों व
विद्यालयों वीं अध्यक्ष विद्यालयों